24-09-2024

डिस्टिलरी व बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करें

डीटीएनएन । कानपुर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में पहली बार उ.प्र. सरकार के विभिन्न भागों में स्थित आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरुष आबकारी निरीक्षकों (श्र×ष्ठ्ठाड्ढ इड्ढाश्चड्ढष्ह्नह्वह्ढ) को प्रशिक्षण देने के लिये 23 से 27.9.2024 तक चलने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो.(डॉ.) शमशेर, कुलपति, हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के कर कमलों से माँ सरस्वती को माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के उपरांत माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ।

आमंत्रित मुख्य अतिथि का सम्मान शाल एवं पुस्तक से करते हुये प्रो.(डॉ.) सीमा परोहा, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने कार्रवाई का शुभारंभ किया। संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ.विनय कुमार ने प्रशिक्षण हेतु संस्थान में आये हुये आबकारी निरीक्षकों का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय (थीम) के बारे में सभी को परिचित करवाया। आबकारी निरीक्षकों को संबोधित करते हुये निदेशक, प्रो. सीमा परोहा ने कहा कि राजस्व और औद्योगिक दृष्टिकोण से आबकारी विभाग राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग है और आबकारी निरीक्षक इस विभाग के महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं। आबकारी विभाग की नीतियों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की महती जिम्मेदारी आबकारी निरीक्षकों को निभानी पड़ती है। डिस्टिलरी एवं बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होती है साथ ही ये लोग यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इथेनाल कैसे और किस तरह से प्रयोग किया जा रहा है। आबकारी निरीक्षकों के शर्करा एवं इथेनाल की पृष्ठभूमि से न जुड़े होने के कारण इनके लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में आबकारी निरीक्षकों से कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। इसके मद्देनजर उनको कार्यक्षेत्र में दिन-ब-दिन आ रही समस्याओं से निपटने हेतु लगातार अपने ज्ञान को परिष्कृत करना होगा। प्रशिक्षण हेतु आये महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों तथा व्याख्यानदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये संस्थान की सहायक आचार्य जैव रसायन एवं कार्यक्रम की सह-संयोजक, डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन ने सभी का आभार प्रकट किया। प्रशिक्षण सत्र का प्रथम व्याख्यान संस्थान की निदेशक, प्रो.सीमा परोहा का शर्करा एवं इथेनाल-अवसर एवं चुनौतियां, दूसरा व्याख्यान डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन का विभिन्न रा मैटेरियल्स से इथेनाल का उत्पादन विषय पर रहा। डॉ.अलका गुप्ता ने प्रयोगशाला में बी एवं सी मोलासेस, गन्ने के रस एवं खांडसारी में ब्रिक्स, पोल, प्योरिटी, टी.आर.एस., आर.एस. आदि के विश्लेषण के संबंध में प्रायोगिक जानकारी दी।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में पहली बार आबकारी निरीक्षकों की ट्रेनिंग का आयोजन

कानपुर नेशनल एक्सप्रेस

उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न भागों में स्थित आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरुष आबकारी निरीक्षकों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम शुरू हुआ। वहीं इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सोमवार को प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शमशेर सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। वहीं आबकारी विभाग, राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग संस्थान की निदेशक प्रो. सीमा परोहा ने बताया कि राजस्व और औद्योगिक दृष्टिकोण से आबकारी विभाग राज्य सरकार का एक सबसे महत्वपूर्ण विभाग है और आबकारी निरीक्षक इस विभाग के महत्वपूर्ण अंग हैं। जबकि जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की महती जिम्मेदारी आबकारी निरीक्षकों को निभानी पड़ती है। डिस्टिलरी एवं बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होती है। साथ ही ये लोग यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इथेनाल कैसे और किस तरह से प्रयोग किया जा रहा है। आबकारी निरीक्षकों के शर्करा एवं इथेनाल की पृष्ठभूमि से न जुड़े होने के कारण इनके लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम होना अति आवश्यक हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. शमशेर सिंह ने कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। आबकारी विभाग को कार्यक्षेत्र में दिन-ब-दिन आ रही समस्याओं से निपटने के लिए लगातार अपने ज्ञान को परिष्कृत करना होगा। इससे पहले मुख्य अतिथि का सम्मान संस्थान की निदेशक प्रो. सीमा परोहा ने किया। संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने प्रशिक्षण के लिए संस्थान में आए आबकारी निरीक्षकों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय (थीम) के बारे में सभी को परिचित कराया। डॉ. अलका गुप्ता ने प्रयोगशाला में बी एवं सी मोलासेस, गन्ने के रस एवं खांडसारी में ब्रिक्स, पोल, प्योरिटी, टीआरएस, आरएस आदि के विश्लेषण के संबंध में प्रायोगिक जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आबकारी निरीक्षकों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

भोर वैभव । दीपक गौड़

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर में पहली बार उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न भागों में स्थित आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरूष आबकारी निरीक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिये दिनांक 23.9.2024 से 27.9.2024 तक चलने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. शमशेर, कुलपति, हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के कर कमलों से मां सरस्वती को माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के उपरांत मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ आमंत्रित मुख्य अतिथि का सम्मान शाल एवं पुस्तक से करते हुए प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने कार्यवाही का शुभारंभ किया संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ.विनय कुमार ने प्रशिक्षण हेतु संस्थान में आये हुए आबकारी निरीक्षकों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय (थीम) के बारे में सभी को परिचित करवाया आबकारी निरीक्षकों को संबोधित करते हुए निदेशक, प्रोफेसर सीमा परोहा ने कहा कि राजस्व और औद्योगिक दृष्टिकोण से आबकारी विभाग राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग है और आबकारी निरीक्षक इस विभाग के महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं आबकारी विभाग की नीतियों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की महती जिम्मेदारी आबकारी निरीक्षकों को निभानी पड़ती है डिस्टिलरी एवं बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होती है साथ ही ये लोग यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इथेनाल कैसे और किस तरह से प्रयोग किया जा रहा है आबकारी निरीक्षकों के शर्करा एवं इथेनाल की पृष्ठभूमि से न जुड़े होने के कारण इनके लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में आबकारी निरीक्षकों से कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है इसके मद्देनजर उनको कार्यक्षेत्र में दिनों-दिन आ रही समस्याओं से निपटने हेतु लगातार अपने ज्ञान को परिष्कृत करना होगा प्रशिक्षण हेतु आये महिला एवं पुरूष प्रतिभागियों तथा व्याख्यान दाताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्थान की सहायक आचार्य जैव रसायन एवं कार्यक्रम की सह-संयोजक, डॉ. अनंतलक्ष्मी रंगराजन ने सभी का आभार प्रकट किया प्रशिक्षण सत्र का प्रथम व्याख्यान संस्थान की निदेशक, प्रोफेसर सीमा परोहा का शर्करा एवं इथेनाल-अवसर एवं चुनौतियां, दूसरा व्याख्यान डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन का विभिन्न रा मैटेरियल्स से इथेनाल का उत्पादन विषय पर रहा डॉ.अलका गुप्ता ने प्रयोगशाला में बी एवं सी मोला सेंस, गन्ने के रस एवं खांडसारी में ब्रिक्स, पोल, प्योरिटी, टीआरएस, आरएस आदि के विश्लेषण के संबंध में प्रायोगिक जानकारी दी

आबकारी निरीक्षकों को दी कच्चे माल की गुणवत्ता की जानकारियां

कार्यक्रम में शामिल निदेशक प्रो. सीमा परोहा, एचबीटीयू के कुलपति प्रो.(डॉ.) शमशेर व अन्य।

एनएसआई में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए 27 आबकारी निरीक्षक

कानपुर, 23 सितम्बर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में पहली बार उ.प्र. सरकार के विभिन्न भागों में स्थित आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरुष आबकारी निरीक्षकों प्रशिक्षण देने के लिये 23 से 27 सितम्बर तक चलने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए मुख्य अतिथि एचबीटीयू के कुलपति प्रो.(डॉ.) शमशेर ने कहाकि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। इसके मद्देनजर उनको कार्यक्षेत्र में दिन-ब-दिन आ रही समस्याओं से निपटने के लिए लगातार अपने ज्ञान को परिष्कृत करना होगा। आबकारी निरीक्षकों को संबोधित करते हुये एनएसआई की निदेशक प्रो. सीमा परोहा ने कहा कि राजस्व और औद्योगिक दृष्टिकोण से आबकारी विभाग राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग है और आबकारी निरीक्षक इस विभाग के महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं। आबकारी विभाग की नीतियों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की महती जिम्मेदारी आबकारी निरीक्षकों को निभानी पड़ती है। डिस्टिलरी एवं बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होती है। साथ ही ये लोग यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इथेनाल कैसे और किस तरह से प्रयोग किया जा रहा है। आबकारी निरीक्षकों के शर्करा एवं इथेनाल की पृष्ठभूमि से न जुड़े होने के कारण इनके लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ.विनय कुमार ने प्रशिक्षण के लिए आये सभी आबकारी निरीक्षकों का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय (थीम) के बारे में सभी को परिचित करवाया। प्रशिक्षण के लिए आये महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों तथा व्याख्यानदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये संस्थान की सहायक आचार्य जैव रसायन एवं कार्यक्रम की सह-संयोजक, डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन ने सभी का आभार प्रकट किया। प्रशिक्षण सत्र का प्रथम व्याख्यान शर्करा एवं इथेनाल-अवसर एवं चुनौतियां, दूसरा व्याख्यान डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन का विभिन्न रा मैटेरियल्स से इथेनाल का उत्पादन विषय पर रहा। डॉ.अलका गुप्ता ने प्रयोगशाला में बी एवं सी मोलासेस, गन्ने के रस एवं खांडसारी में ब्रिक्स, पोल, प्योरिटी, टी.आर.एस., आर.एस. आदि के विश्लेषण के संबंध में प्रायोगिक जानकारी दी।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आबकारी निरीक्षकों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

आज का कानपुर

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर में पहली बार उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न भागों में स्थित आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरूष आबकारी निरीक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिये दिनांक 23.9.2024 से 27.9.2024 तक चलने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. शमशेर, कुलपति, हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के कर कमलों से मां सरस्वती को माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के उपरांत मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ आमंत्रित मुख्य अतिथि का सम्मान शाल एवं पुस्तक से करते हुए प्रोफ़ेसर डॉ. सीमा परोहा, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने कार्यवाही का शुभारंभ किया संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ.विनय कुमार ने प्रशिक्षण हेतु संस्थान में आये हुए आबकारी निरीक्षकों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय (थीम) के बारे में सभी को परिचित करवाया आबकारी निरीक्षकों को संबोधित करते हुए निदेशक, प्रोफ़ेसर सीमा परोहा ने कहा कि राजस्व और औद्योगिक दृष्टिकोण से आबकारी विभाग राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग है और आबकारी निरीक्षक इस विभाग के महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं आबकारी विभाग की नीतियों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की महती जिम्मेदारी आबकारी निरीक्षकों को निभानी पड़ती है डिस्टिलरी एवं बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होती है साथ ही ये लोग यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इथेनाल कैसे और किस तरह से प्रयोग किया जा रहा है आबकारी निरीक्षकों के शर्करा एवं इथेनाल की पृष्ठभूमि से न जुड़े होने के कारण इनके लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में आबकारी निरीक्षकों से कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है इसके मद्देनजर उनको कार्यक्षेत्र में दिनों-दिन आ रही समस्याओं से निपटने हेतु लगातार अपने ज्ञान को परिष्कृत करना होगा प्रशिक्षण हेतु आये महिला एवं पुरूष प्रतिभागियों तथा व्याख्यान दाताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्थान की सहायक आचार्य जैव रसायन एवं कार्यक्रम की सह-संयोजक, डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन ने सभी का आभार प्रकट किया प्रशिक्षण सत्र का प्रथम व्याख्यान संस्थान की निदेशक, प्रोफ़ेसर सीमा परोहा का शर्करा एवं इथेनाल- अवसर एवं चुनौतियां, दूसरा व्याख्यान डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन का विभिन्न रा मैटेरियल्स से इथेनाल का उत्पादन विषय पर रहा डॉ.अलका गुप्ता ने प्रयोगशाला में बी एवं सी मोला सेंस, गन्ने के रस एवं खांडसारी में ब्रिक्स, पोल, प्योरिटी, टीआरएस, आरएस आदि के विश्लेषण के संबंध में प्रायोगिक जानकारी दी।

सीएसजेएमयू में प्रदेश सरकार की ओर से 6 नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए मिला अनुदान

कुलपति ने नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए शिक्षकों को दी बधाई

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में चलेगा प्रशिक्षण शिविर

संवाददाता

कानपुर। कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, में पहली बार उ.प्र. सरकार के विभिन्न भागों में स्थित आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरूष आबकारी निरीक्षकों (एक्साइज इंस्पेक्टर्स) को प्रशिक्षण देने के लिये दिनांक 23 से 27 सितंबर तक चलने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो.(डॉ.) शमशेर, कुलपति, हारकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के कर कमलों से मां सरस्वती को माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के उपरांत मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। आमंत्रित मुख्य अतिथि का सम्मान शाल एवं पुस्तक से करते हुये प्रो.(डॉ.) सीमा परोहा, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने कार्यवाही का शुभारंभ किया। संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ.विनय कुमार ने प्रशिक्षण हेतु संस्थान में आये हुये आबकारी निरीक्षकों का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय (थीम) के बारे में सभी को परिचित करवाया। आबकारी निरीक्षकों को संबोधित करते हुये निदेशक, प्रो. सीमा परोहा ने कहा कि राजस्व और औद्योगिक दृष्टिकोण से आबकारी विभाग राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग है और आबकारी निरीक्षक इस विभाग के महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं। आबकारी विभाग की नीतियों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की महती जिम्मेदारी आबकारी निरीक्षकों को निभानी पड़ती है। डिस्टिलरी एवं बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होती है साथ ही ये लोग यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इथेनाल कैसे और किस तरह से प्रयोग किया जा रहा है। आबकारी निरीक्षकों के शर्करा एवं इथेनाल की पृष्ठभूमि से न जुड़े होने के कारण इनके लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में आबकारी निरीक्षकों से कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। इसके मद्देनजर उनको कार्यक्षेत्र में दिन-ब-दिन आ रही समस्याओं से निपटने हेतु लगातार अपने ज्ञान को परिष्कृत करना होगा। प्रशिक्षण हेतु आये महिला एवं पुरूष प्रतिभागियों तथा व्याख्यानदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये संस्थान की सहायक आचार्य जैव रसायन एवं कार्यक्रम की सह-संयोजक, डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन ने सभी का आभार प्रकट किया। प्रशिक्षण सत्र का प्रथम व्याख्यान संस्थान की निदेशक, प्रो.सीमा परोहा का शर्करा एवं इथेनाल- अवसर एवं चुनौतियां, दूसरा व्याख्यान डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन का विभिन्न रा मैटेरियल्स से इथेनाल का उत्पादन विषय पर रहा। डॉ.अलका गुप्ता ने प्रयोगशाला में बी एवं सी मोलासेस, गन्ने के रस एवं खांडसारी में ब्रिक्स, पोल, प्योरिटी, टी.आर.एस., आर.एस. आदि के विश्लेषण के संबंध में प्रायोगिक जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)
कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में पहली बार उ.प्र. सरकार के विभिन्न भागों में स्थित आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरुष आबकारी निरीक्षक (Excise Inspectors) को प्रशिक्षण देने के लिये दिनांक 23 सितम्बर 2024 से 27 सितम्बर 2024 तक चलने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो (डॉ.) शमशेर, कुलपति, हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के कर कमलों वो माँ सरस्वती को माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। आमंत्रित मुख्य अतिथि का सम्मान साल एवं पुस्तक से करते हुये प्रो. (डॉ.) सीमा परोहा, निदेशक, राष्ट्रीय सर्करा संस्थान् कानपुर ने कार्रवाई का सुभारंभ किया। संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने प्रशिक्षण हेतु संस्थान में आये हुये आबकारी निरीक्षकों का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय (थीम) के बारे में सभी को परिचित करवाया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में आबकारी निरीक्षकों से कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। इसके मद्देनजर उनको कार्यक्षेत्र में दिन–ब–दिन आ रही समस्याओं से निपटने हेतु लगातार अपने ज्ञान की परिष्कृत करना होगा। प्रशिक्षण हेतु आये महिला एवं पुरूष प्रतिभागियों तथा व्याख्यानदालाओं को धन्यवाद दिया।

अ
दीक्षाल
राष्ट्रीय बहुभाषी दैनिक स
पत्रकारों की विज्ञापन प्रसार
जर्नलिज्म
इच्छुक
मोबाइल नम्बर :

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आबकारी निरीक्षकों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

शहर दायरा न्यूज
कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर में पहली बार उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न भागों में स्थित आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरूष आबकारी निरीक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिये दिनांक 23.9.2024 से 27.9.2024 तक चलने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. शमशेर, कुलपति, हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के कर कमलों से मां सरस्वती को माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के उपरांत मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ आमंत्रित मुख्य अतिथि का सम्मान शाल एवं पुस्तक से करते हुए प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने कार्यवाही का शुभारंभ किया संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ.विनय कुमार ने प्रशिक्षण हेतु संस्थान में आये हुए आबकारी निरीक्षकों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय (थीम) के बारे में सभी को परिचित करवाया आबकारी निरीक्षकों को संबोधित करते हुए निदेशक, प्रोफ़ेसर सीमा परोहा ने कहा कि राजस्व और औद्योगिक दृष्टिकोण से आबकारी विभाग राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग है और आबकारी निरीक्षक इस विभाग के महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं आबकारी विभाग की नीतियों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की महती जिम्मेदारी आबकारी निरीक्षकों को निभानी पड़ती है डिस्टिलरी एवं बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होती है साथ ही ये लोग यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इथेनाल कैसे और किस तरह से प्रयोग किया जा रहा है आबकारी निरीक्षकों के शर्करा एवं इथेनाल की पृष्ठभूमि से न जुड़े होने के कारण इनके लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में आबकारी निरीक्षकों से कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है इसके मद्देनजर उनके कार्यक्षेत्र में दिनों-दिन आ रही समस्याओं से निपटने हेतु लगातार अपने ज्ञान को परिष्कृत करना होगा प्रशिक्षण हेतु आये महिला एवं पुरूष प्रतिभागियों तथा व्याख्यान दाताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्थान की सहायक आचार्य जैव रसायन एवं कार्यक्रम की सह-संयोजक, डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन ने सभी का आभार प्रकट किया प्रशिक्षण सत्र का प्रथम व्याख्यान संस्थान की निदेशक, प्रोफ़ेसर सीमा परोहा का शर्करा एवं इथेनाल-अवसर एवं चुनौतियां, दूसरा व्याख्यान डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन का विभिन्न रा मैटेरियल्स से इथेनाल का उत्पादन विषय पर रहा डॉ.अलका गुप्ता ने प्रयोगशाला में बी एवं सी मोला सेंस, गन्ने के रस एवं खांडसारी में ब्रिक्स, पोल, प्योरिटी, टीआरएस, आरएस आदि के विश्लेषण के संबंध में प्रायोगिक जानकारी दी

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर में पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में पहली बार उ.प्र. सरकार के विभिन्न भागों में स्थित आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरूष आबकारी निरीक्षकों एक्साइज इंस्पेक्टर को प्रशिक्षण देने के लिये दिनांक-23.9.2024 से 27.9.2024 तक चलने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज उद्घाटन हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो.(डॉ.) शमशेर, कुलपति, हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के कर कमलों से माँ सरस्वती को माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ।

आमंत्रित मुख्य अतिथि का सम्मान शाल एवं पुस्तक से करते हुये प्रो.(डॉ.) सीमा परोहा, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने कार्रवाई का शुभारंभ किया।

संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ.विनय कुमार ने प्रशिक्षण हेतु संस्थान में आये हुये आबकारी निरीक्षकों का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय (थीम) के बारे में सभी को परिचित करवाया।

आबकारी निरीक्षकों को संबोधित करते हुये निदेशक, प्रो. सीमा परोहा ने कहा कि राजस्व और औद्योगिक दृष्टिकोण से आबकारी विभाग राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग है और आबकारी निरीक्षक इस विभाग के महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं। आबकारी विभाग की नीतियों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की महती जिम्मेदारी आबकारी निरीक्षकों को निभानी पड़ती है। डिस्टिलरी एवं बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होती है साथ ही ये लोग यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इथेनाल कैसे और किस तरह से प्रयोग किया जा रहा है। आबकारी निरीक्षकों के शर्करा एवं इथेनाल की पृष्ठभूमि से न जुड़े होने के कारण इनके लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में आबकारी निरीक्षकों से कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। इसके मद्देनजर उनको कार्यक्षेत्र में दिन-ब-दिन आ रही समस्याओं से निपटने हेतु लगातार अपने ज्ञान को परिष्कृत करना होगा।

प्रशिक्षण हेतु आये महिला एवं पुरूष प्रतिभागियों तथा व्याख्यानदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये संस्थान की सहायक आचार्य जैव रसायन एवं कार्यक्रम की सह-संयोजक, डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन ने सभी का आभार प्रकट किया।

प्रशिक्षण सत्र का प्रथम व्याख्यान संस्थान की निदेशक, प्रो.सीमा परोहा का शर्करा एवं इथेनाल-अवसर एवं चुनौतियां, दूसरा व्याख्यान डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन का विभिन्न रा मैटेरियल्स से इथेनाल का उत्पादन विषय पर रहा। डॉ.अलका गुप्ता ने प्रयोगशाला में बी एवं सी मोलासेस, गन्ने के रस एवं खांडसारी में ब्रिक्स, पोल, प्योरिटी, टी.आर.एस., आर.एस. आदि के विश्लेषण के संबंध में प्रायोगिक जानकारी दी।

पहली बार आबकारी विभाग के एक्साइज इंस्पेक्टर ट्रेनिंग लेने पहुंचे राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

निष्पक्ष पोस्ट। डॉ कृष्ण मोहन त्रिपाठी।

कानपुर। उ.प्र। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में पहली बार उ.प्र. सरकार के विभिन्न भागों में स्थित आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरूष आबकारी निरीक्षकों (एवूशी क्ल्लरस्रौ३ह्न१२) को प्रशिक्षण देने के लिये चलने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन।

कार्यक्रम का उद्घाटन । मुख्य अतिथि प्रो.(डॉ.) शमशेर, कुलपति, हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के कर कमलों से माँ सरस्वती को माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के उपरांत माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ।

आमंत्रित मुख्य अतिथि का सम्मान शाल एवं पुस्तक से करते हुये प्रो.(डॉ.) सीमा परोहा, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ.विनय कुमार ने प्रशिक्षण हेतु संस्थान में आये हुये आबकारी निरीक्षकों का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय (थीम) के बारे में सभी को परिचित करवाया।

आबकारी निरीक्षकों को संबोधित करते हुये निदेशक, प्रो. सीमा परोहा ने कहा कि राजस्व और औद्योगिक दृष्टिकोण से आबकारी विभाग राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग है और आबकारी निरीक्षक इस विभाग के महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं। आबकारी विभाग की नीतियों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की महती जिम्मेदारी आबकारी निरीक्षकों को निभानी पड़ती है। डिस्टिलरी एवं बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होती है साथ ही ये लोग यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इथेनाल कैसे और किस तरह से प्रयोग किया जा रहा है। आबकारी निरीक्षकों के शर्करा एवं इथेनाल की पृष्ठभूमि से न जुड़े होने के कारण इनके लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में आबकारी निरीक्षकों से कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। इसके मद्देनजर उनको कार्यक्षेत्र में आ रही समस्याओं से निपटने हेतु लगातार अपने ज्ञान को परिष्कृत करना होगा।

प्रशिक्षण हेतु आये महिला एवं पुरूष प्रतिभागियों तथा व्याख्यानदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये संस्थान की सहायक आचार्य जैव रसायन एवं कार्यक्रम की सह-संयोजक, डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन ने सभी का आभार प्रकट किया।

प्रशिक्षण सत्र का प्रथम व्याख्यान संस्थान की निदेशक, प्रो.सीमा परोहा का शर्करा एवं इथेनाल-अवसर एवं चुनौतियां, दूसरा व्याख्यान डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन का विभिन्न रॉ मैटेरियल्स से इथेनाल का उत्पादन विषय पर रहा। डॉ.अलका गुप्ता ने प्रयोगशाला में बी एवं सी मोलासेस, गन्ने के रस एवं खांडसारी में ब्रिक्स, पोल, प्योरिटी, टी.आर.एस., आर.एस. आदि के विश्लेषण के संबंध में प्रायोगिक जानकारी दी। मीडिया प्रभारी अखिलेश पांडे रहे मौजूद॥

'नई चुनौतियों से निपटने को आबकारी निरीक्षकों को परिष्कृत करना होगा ज्ञान'

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आबकारी प्रशिक्षण कार्यशाला का दीप जलाकर शुभारम्भ करते एचबीटीयू के कुलपति प्रो. शमशेर व निदेशक प्रो. सीमा परोहा। फोटो : एसएनबी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में पहली बार प्रदेश सरकार के आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरुष आबकारी निरीक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिये 23 से 27 सितंबर तक चलने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आबकारी निरीक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरुष आबकारी निरीक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिये 23 से 27 सितंबर तक चलेगा कार्यक्रम

उद्घाटन मुख्य अतिथि एचबीटीयू के कुलपति प्रो. शमशेर ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया। आमंत्रित मुख्य अतिथि का सम्मान एनएसआई निदेशक प्रो. सीमा परोहा ने किया। संस्थान के सहायक आचार्य व कार्यक्रम संयोजक डॉ. विनय कुमार ने प्रशिक्षण हेतु संस्थान में आये हुये आबकारी निरीक्षकों का स्वागत कर प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय के बारे में सभी को परिचित कराया। आबकारी निरीक्षकों को संबोधित करते हुये निदेशक प्रो. सीमा परोहा ने कहा कि राजस्व और औद्योगिक दृष्टिकोण से आबकारी विभाग राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग है और आबकारी निरीक्षक इस विभाग के महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं। आबकारी विभाग की नीतियों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की महती जिम्मेदारी आबकारी निरीक्षकों को निभानी पड़ती है। डिस्टिलरी एवं बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होती है। साथ ही ये लोग यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इथेनाल कैसे और किस तरह से प्रयोग किया जा रहा है। आबकारी निरीक्षकों के शर्करा एवं इथेनाल की पृष्ठभूमि से न जुड़े होने के कारण इनके लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक है।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में आबकारी निरीक्षकों से कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। इसके मद्देनजर उनको कार्यक्षेत्र में दिनब्रदिन आ रही समस्याओं से निपटने हेतु लगातार अपने ज्ञान को परिष्कृत करना होगा। प्रशिक्षण हेतु आये महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों तथा व्याख्यानदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये संस्थान की सहायक आचार्य डॉ.अनंत लक्ष्मी रंगराजन ने आभार प्रकट किया।

प्रशिक्षण सत्र का प्रथम व्याख्यान संस्थान की निदेशक प्रो.सीमा परोहा का शर्करा एवं इथेनाल-अवसर एवं चुनौतियां, दूसरा व्याख्यान डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन का विभिन्न रा मैटेरियल्स से इथेनाल का उत्पादन विषय पर रहा। डॉ. अलका गुप्ता ने प्रयोगशाला में बी एवं सी मोलासेस, गन्ने के रस एवं खांडसारी में ब्रिक्स, पोल, प्योरिटी, टीआरएस, आरएस. आदि के विश्लेषण के संबंध में प्रायोगिक जानकारी दी।

सत्य का असर समाचार पत्र

Tuesday 24th September 2024 website: ?????? ???? 9956834016

सत्य का असर समाचार पत्र **पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल**

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा 27 महिला एवं पुरूष आबकारी निरीक्षकों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

जितेंद्र सिंह पटेल पत्रकार सत्य का असर समाचार पत्र राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में पहली बार उ.प्र. सरकार के विभिन्न भागों में स्थित आबकारी कार्यालयों में कार्यरत 27 महिला एवं पुरूष आबकारी निरीक्षकों (Excise Inspectors) को प्रशिक्षण देने के लिये दिनांक-23.9.2024 से 27.9.2024 तक चलने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज उद्घाटन हुआ।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो.(डॉ.) शमशेर, कुलपति, हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के कर कमलों से माँ सरस्वती को माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ।

आमंत्रित मुख्य अतिथि का सम्मान शाल एवं पुस्तक से करते हुये प्रो.(डॉ.) सीमा परोहा, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने कार्रवाई का शुभारंभ किया।संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ.विनय कुमार ने प्रशिक्षण हेतु संस्थान में आये हुये आबकारी निरीक्षकों का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय (थीम) के बारे में सभी को परिचित करवाया।<आबकारी निरीक्षकों को संबोधित करते हुये निदेशक, प्रो. सीमा परोहा ने कहा कि राजस्व और औद्योगिक दृष्टिकोण से आबकारी विभाग राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग है और आबकारी निरीक्षक इस विभाग के महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं। आबकारी विभाग की नीतियों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की महती जिम्मेदारी आबकारी निरीक्षकों को निभानी पड़ती है। डिस्टिलरी एवं बाटलिंग यूनिट में कच्चे माल की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होती है साथ ही ये लोग यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इथेनाल कैसे और किस तरह से प्रयोग किया जा रहा है। आबकारी निरीक्षकों के शर्करा एवं इथेनाल की पृष्ठभूमि से न जुड़े होने के कारण इनके लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में आबकारी निरीक्षकों से कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। इसके मद्देनजर उनको कार्यक्षेत्र में दिन-ब-दिन आ रही समस्याओं से निपटने हेतु लगातार अपने ज्ञान को परिष्कृत करना होगा।

प्रशिक्षण हेतु आये महिला एवं पुरूष प्रतिभागियों तथा व्याख्यानदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये संस्थान की सहायक आचार्य जैव रसायन एवं कार्यक्रम की सह-संयोजक, डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन ने सभी का आभार प्रकट किया। प्रशिक्षण सत्र का प्रथम व्याख्यान संस्थान की निदेशक, प्रो.सीमा परोहा का शर्करा एवं इथेनाल-अवसर एवं चुनौतियां, दूसरा व्याख्यान डॉ.अनंतलक्ष्मी रंगराजन का विभिन्न रा मैटेरियल्स से इथेनाल का उत्पादन विषय पर रहा। डॉ.अलका गुप्ता ने प्रयोगशाला में बी एवं सी मोलासेस, गन्ने के रस एवं खांडसारी में ब्रिक्स, पोल, प्योरिटी, टी.आर.एस., आर.एस. आदि के विश्लेषण के संबंध में प्रायोगिक जानकारी दी।(अखिलेश कुमार पाण्डेय)मुख्य अभिकल्पक मो. 9984364957

Digital News

- NSI में पहली बार आबकारी निरीक्षकों का शुरू हुआ प्रशिक्षण
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आबकारी निरीक्षकों का प्रशिक्षण
- रिर्पोट,नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट नई ऊंचाइयों की ओर/ पहली बार आबकारी विभाग के 27 इंस्पेक्टर्स को
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में विभिन्न विभागों से आए हुए एक्साइज इंस्पेक्टर का प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में क्रिकेट प्रतियोगिता के साथ नुक्कड नाटक का हुआ आयोजन।
- स्वच्छता पखवाड़े मे नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन।